Drishti IAS

करेंट अफेयर्स

छत्तीसगढ़

(संग्रह)

फरवरी 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़

- छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया 3
- छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में माओवादी मारा गया 4
- छत्तीसगढ़ में समाधि स्मृति महोत्सव 5
- NCST द्वारा जनजातीय विस्थापन पर सर्वेक्षण 6
- 2026 तक माओवाद का उन्मूलन 8
- छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने अप्राकृतिक यौन संबंध पर रोक लगाई 9
- मानव तस्करी से निपटने पर राष्ट्रीय सम्मेलन 10
- डोकरा कलाकृति 11
- छत्तीसगढ़ में CRPF का नया ऑपरेशन बेस 12
- श्रीमंत झा ने रजत पदक जीता 15
- छत्तीसगढ़ में नया दुकान एवं स्थापना अधिनियम 15
- नक्सलवाद का अंत 16
- अंतरिक्ष विकास के लिये छत्तीसगढ़ ने इसरो के साथ समझौता किया 17
- छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटनाएँ 18

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड में **14 फरवरी, 2025** तक चलने वाले **38वें राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ के एथलीट** उल्लेखनीय प्रभाव डाल रहे हैं।

- राज्य ने कुल **चार स्वर्ण और तीन कांस्य पदक प्राप्त कर** विभिन्न खेल विधाओं में अपनी बढ़ती हुई ताकत का प्रदर्शन किया है।

मुख्य बिंदु

- **उपलब्धि की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **भारोत्तोलन सफलता:**
    - **विजय कुमार ने** पुरुषों के 55 किलोग्राम श्रेणी में इतिहास रच दिया, उन्होंने **एक दशक में छत्तीसगढ़ के लिये पुरुष भारोत्तोलन में पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया।**
    - **ज्ञानेश्वरी यादव ने** महिला भारोत्तोलन में अपना दबदबा जारी रखते हुए **49 किलोग्राम श्रेणी में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता।**
    - **उन्होंने गोवा** में **37वें राष्ट्रीय खेलों** में भी स्वर्ण पदक जीता।
  - **कलारीपयट्टू: यह** मानव शरीर के प्राचीन ज्ञान पर आधारित एक **मार्शल आर्ट है। इसकी उत्पत्ति तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व** से **दूसरी शताब्दी ईस्वी के** दौरान **केरल में हुई थी।**
    - **विवेक सिंह ने स्वर्ण पदक जीता,** जबकि रिशा नैन और अनीता ने कांस्य पदक हासिल किया।
- **अन्य उपलब्धियाँ:**
  - छत्तीसगढ़ **की महिला बीच हैंडबॉल टीम ने** अपना विजय अभियान जारी रखते हुए **असम को सीधे सेटों में हराकर राष्ट्रीय खेलों** में **लगातार दूसरा कांस्य पदक** जीता।
  - पुरुष **बैडमिंटन टीम** अरुणाचल प्रदेश को **5-0** से हराकर सेमीफाइनल में पहुँच गई।
  - भूमि गुप्ता ने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा के बीच सराहनीय प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 100 मीटर बटरफ्लाई फाइनल में **पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया।**

राष्ट्रीय खेल 2025

- **38वें राष्ट्रीय खेल, ओलंपिक** से प्रेरित भारत का अपना **बहु-खेल आयोजन है, जिसमें** 28 राज्यों, 8 केंद्र शासित प्रदेशों और सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के एथलीट 32 विभिन्न खेलों में पदक के लिये प्रतिस्पर्द्धा करेंगे।
- 2025 के राष्ट्रीय खेलों की शुरुआत 26 जनवरी को ट्रायथलॉन स्पर्द्धाओं के साथ हुई।
- राष्ट्रीय खेलों के **प्रत्येक संस्करण के समग्र विजेता को राजा भलिंद्र सिंह ट्रॉफी से सम्मानित किया जाता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में माओवादी मारा गया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **छत्तीसगढ़ के कांकेर ज़िले में सुरक्षा बलों ने** मुठभेड़ में एक माओवादी को मार गिराया। **कांकेर-नारायणपुर सीमा** पर **नक्सल विरोधी अभियान** के दौरान वन में गोलीबारी की एक घटना घटित हुई।

मुख्य बिंदु

- **नक्सल विरोधी अभियान:**
  - ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG) और सीमा सुरक्षा बल (BSF) की एक संयुक्त टीम ने क्षेत्र में उत्तर बस्तर और माड़ डिवीज़नों के माओवादी कैडरों की उपस्थिति के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान शुरू किया।
  - **जनवरी 2025 से अब तक** छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में **50 माओवादी मारे जा चुके हैं।**
  - बस्तर **संभाग में सबसे अधिक** 34 माओवादी मारे गये।
- **वार्षिक माओवादी हताहत:**
  - **वर्ष 2024** में, सुरक्षा बलों ने राज्य भर में विभिन्न मुठभेड़ों में **219 माओवादियों को ढेर कर दिया था।**

ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG)

- ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG) **छत्तीसगढ़ में एक विशेष पुलिस इकाई है, जिसे वर्ष 2008 में माओवादी हिंसा से** निपटने के लिये स्थापित किया गया था।
- इसमें **विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी शामिल** होते हैं, जो प्रभावित ज़िलों में माओवाद-विरोधी अभियानों का संचालन करते हैं, **तलाशी एवं ज़ब्ती** करते हैं और **खुफिया जानकारी** एकत्रित करते हैं।
- माओवादी विद्रोह का सामना करने के लिये DRG केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) जैसे अन्य सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करता है।

सीमा सुरक्षा बल (BSF)

- BSF की **स्थापना वर्ष 1965 में** भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद की गई थी।
- यह गृह मंत्रालय (MHA) के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत भारत संघ के सात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से एक है।
  - अन्य **केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल** हैं: असम राइफल्स (AR), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF), **राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड** (NSG) और सशस्त्र सीमा बल (SSB)।
- 2.65 लाख जवानों वाला यह बल पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमाओं पर तैनात है।
  - **इसे भारतीय सेना के साथ** भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा, भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (LoC) पर और **नक्सल विरोधी अभियानों** में तैनात किया गया है।
- BSF अपने अत्याधुनिक जलयान बेड़े के साथ **अरब सागर में सरक्रीक और** बंगाल की खाड़ी **में** सुंदरवन डेल्टा की रक्षा कर रहा है।
- यह प्रतिवर्ष अपने प्रशिक्षित जनशक्ति का एक बड़ा दल भेजकर **संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन** में समर्पित सेवाएँ प्रदान करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

छत्तीसगढ़ में समाधि स्मृति महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगाँव में **श्री विद्यासागर जी महाराज के पहले समाधि स्मृति महोत्सव** को संबोधित किया।

मुख्य बिंदु

- **महोत्सव को संबोधित करते हुए:**
  - उन्होंने **श्री 1008 सिद्धचक्र विधान विश्व शांति महायज्ञ** में भी भाग लिया।
  - कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने जारी किया:
    - **100 रुपए** का स्मारक सिक्का
    - **5 रुपए** का विशेष डाक लिफाफा
    - आचार्य श्री विद्यासागर जी के **108 चरण चिह्न एवं चित्र**
    - **प्रस्तावित समाधि स्मारक 'विद्यायतन'** की आधारशिला रखी
- **शिक्षा और सामाजिक विकास पहल:**
  - मंत्री ने मध्य प्रदेश के **डिंडोरी ज़िले में एक बालिका विद्यालय की आधारशिला रखने की घोषणा की,** जिसमें **निःशुल्क शिक्षा,** कौशल विकास **और** रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे।
- **राष्ट्रीय एकता में जैन संतों की भूमिका:**
  - मंत्री ने जैन संतों के योगदान की सराहना की, जिन्होंने उत्तर प्रदेश से कर्नाटक, बिहार से गुजरात तक आध्यात्मिक का प्रसार किया।
    - उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आचार्य जी ने हमें सिखाया कि भारत की पहचान उसकी संस्कृति में गहराई से निहित है।
  - **आचार्य जी ने हिंदी महाकाव्य 'मूक माटी'** की रचना की, जिसका अनुवाद अनेक भाषाओं में किया जा चुका है। **यह कृति दर्शन, नैतिकता, अध्यात्म और राष्ट्र के संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण** मानी जाती है।

आचार्य विद्यासागर महाराज

- आचार्य विद्यासागर महाराज **जैन समुदाय में एक अत्यंत सम्मानित साधु थे,** जो अपनी बुद्धिमत्ता और आध्यात्मिक नेतृत्व के लिये जाने जाते थे।
- उन्होंने **युवावस्था में ही संन्यास ग्रहण कर लिया** और आचार्य की प्रतिष्ठित उपाधि प्राप्त की, जो उनके **गहन ज्ञान और आध्यात्मिक उपलब्धियों का प्रतीक है।**
- **उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, पर्यावरण संरक्षण और सतत् कृषि** के क्षेत्र में सक्रिय रूप से काम किया।
- उन्होंने **सामाजिक प्रगति को प्रोत्साहित किया** और लोगों से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भाग लेने का आग्रह किया।
- उन्होंने अपने अंतिम क्षणों में **सल्लेखना (मृत्यु तक उपवास रखने की एक स्वैच्छिक जैन प्रथा)** का अनुसरण किया और जीवन के अंतिम तीन दिनों तक भोजन और जल का परित्याग किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

NCST द्वारा जनजातीय विस्थापन पर सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST) ने **तेलंगाना, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और ओडिशा** की सरकारों को निर्देशित किया है कि वे माओवादी हिंसा के कारण छत्तीसगढ़ से **विस्थापित** होकर पड़ोसी राज्यों में कठिनाइयों का सामना कर रहे आदिवासी लोगों की वास्तविक संख्या का पता लगाने के लिये एक सर्वेक्षण करें।

मुख्य बिंदु

- **विस्थापित जनजातीय लोगों की पहचान:**
  - पैनल ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र में **विस्थापित जनजातीय लोगों की सही संख्या और स्थान निर्धारित करने की आवश्यकता पर बल दिया,** ताकि अगली कार्रवाई की योजना प्रभावी ढंग से बनाई जा सके।
- **सर्वेक्षण और डेटा संकलन के लिये समन्वय:**
  - NCST ने छत्तीसगढ़ सरकार को सर्वेक्षण कराने के लिये **तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र सरकारों के साथ समन्वय करने** हेतु **एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया।**
  - इन राज्यों से आँकड़े एकत्र करने के बाद, छत्तीसगढ़ सरकार को एक समेकित रिपोर्ट तैयार करनी होगी और उसे आगे की कार्रवाई के लिये **NCST को प्रस्तुत** करना होगा।
- **इस मुद्दे को उजागर करने वाली याचिका:**
  - आयोग को **मार्च 2022 में एक याचिका प्राप्त हुई, जिसमें उल्लेख किया गया था कि** गोट्टी कोया समुदाय के सदस्य, **जो वर्ष 2005 में माओवादी छापामारों और** भारतीय सुरक्षा बलों के बीच हिंसा के कारण छत्तीसगढ़ से भाग गए थे, अपने नए स्थानों पर गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।
- **विस्थापित आदिवासियों की अनुमानित संख्या:**
  - जनजातीय अधिकार कार्यकर्त्ताओं का **अनुमान** है कि वामपंथी उग्रवाद के कारण लगभग 50,000 आदिवासी छत्तीसगढ़ से विस्थापित हुए हैं।
  - वे वर्तमान में ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र के **वनों में 248 बस्तियों में रह रहे हैं।**
- **भूमि पुनर्ग्रहण एवं विस्थापन संबंधी चिंताएँ:**
  - रिपोर्टों से पता चलता है कि तेलंगाना सरकार ने कम से कम 75 बस्तियों में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (IDP) से भूमि वापस ले ली है, जिससे उनकी आजीविका खतरे में पड़ गई है और वे अधिक असुरक्षित हो गए हैं।
  - आयोग ने याचिका का उल्लेख करते हुए यह आरोप लगाया कि वन विभाग के अधिकारियों ने आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के आवासों को नष्ट कर दिया और उनकी कृषि फसलों को भी नष्ट कर दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST)

- **परिचय:**
  - NCST की स्थापना वर्ष 2004 में **अनुच्छेद 338 में संशोधन करके और 89वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003** के माध्यम से संविधान में एक **नया अनुच्छेद 338A** जोड़कर की गई थी। इसलिये, यह एक **संवैधानिक निकाय है।**
  - इस संशोधन द्वारा पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग को **दो पृथक आयोगों द्वारा प्रतिस्थापित किया गया:**
    - राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (NCSC) और **राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST)**
- **उद्देश्य:**
  - अनुच्छेद 338A, अन्य बातों के साथ-साथ, NCST को संविधान के तहत या किसी अन्य कानून के तहत या सरकार के किसी अन्य आदेश के तहत अनुसूचित जनजातियों (ST) को प्रदान किये गए विभिन्न सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन की देखरेख करने और ऐसे सुरक्षा उपायों के कामकाज का मूल्यांकन करने की शक्तियां प्रदान करता है।
- **संघटन:**
  - इसमें एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्य होते हैं, जिन्हें **राष्ट्रपति** अपने हस्ताक्षर और मुहर सहित वारंट द्वारा नियुक्त करते हैं।
  - कम से कम **एक सदस्य महिला होनी चाहिये।**
  - अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य सदस्य **3 वर्ष की अवधि के लिये पद धारण करते हैं।**
    - अध्यक्ष को **केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है,** उपाध्यक्ष को **राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है** तथा अन्य सदस्यों को **भारत सरकार के सचिव का दर्जा दिया गया है।**
  - सदस्य **दो कार्यकाल से अधिक के लिये नियुक्ति के पात्र नहीं हैं।**

गोट्टी कोया जनजाति

- **परिचय:**
  - गोट्टी कोया भारत के कुछ **बहु-नस्लीय और बहुभाषी जनजातीय समुदायों में से एक है।**
  - **वे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़** और ओडिशा राज्यों में गोदावरी नदी **के दोनों किनारों** पर वनों, मैदानों और घाटियों में रहते हैं।
  - **ऐसा कहा जाता है कि वे उत्तर भारत के बस्तर** स्थित अपने मूल निवास से मध्य भारत में प्रवास कर आये थे।
- **भाषा:**
  - कोया भाषा, जिसे **कोयी भी कहा जाता है, एक द्रविड़ भाषा** है। यह **गोंडी से बहुत मिलती-जुलती है** और इस पर **तेलुगु का बहुत प्रभाव** है।
  - अधिकांश कोया लोग कोयी के अतिरिक्त गोंडी या तेलुगु भी बोलते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पेशा:**
  - **परंपरागत रूप से** वे **पशुपालक और झूम खेती करने वाले किसान थे,** लेकिन आजकल उन्होंने **स्थायी खेती** के साथ-साथ पशुपालन **और मौसमी वन संग्रह को भी अपना लिया है।**
  - वे ज्वार, रागी, बाजरा और अन्य मोटे अनाज उगाते हैं।
- **समाज एवं संस्कृति:**
  - सभी गोटी कोया **पाँच उपविभागों में से एक से संबंधित हैं जिन्हें गोत्रम कहा जाता है। हर गोटी कोया एक कबीले में जन्म लेता है** और उसे उस कबीले को छोड़ने की अनुमति नहीं होती है।
  - उनका **परिवार पितृवंशीय और पितृस्थानीय होता है।** इस परिवार को "कुटुम" कहा जाता है। एकल परिवार ही इसका प्रमुख प्रकार है।
  - कोया लोगों में **एकपत्नीत्व प्रथा प्रचलित है।**
  - वे अपने **स्वयं के जातीय धर्म का पालन करते हैं,** लेकिन कई **हिंदू देवी-देवताओं की भी पूजा करते हैं।**
  - **कई गोट्टी कोया देवी हैं,** जिनमें सबसे महत्त्वपूर्ण "धरती माता" है।
  - वे ज़रूरतमंद परिवारों की सहायता करने और उन्हें खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के लिये **गाँव स्तर पर सामुदायिक निधि** और अनाज बैंक चलाते हैं।
  - **वे मृतकों को** या तो दफना देते हैं या उनका दाह संस्कार कर देते हैं। वे मृतकों की याद में मेनहिर बनवाते हैं।
  - उनके मुख्य **त्योहार विज्जी पांडुम** (बीज आकर्षण त्यौहार) और **कोंडाला कोलुपु** (पहाड़ी देवताओं को प्रसन्न करने का त्यौहार) हैं।
  - वे त्योहारों और विवाह समारोहों के अवसर पर **पर्माकोक (बाइसन सींग नृत्य) नामक** एक उत्साही और रंग-बिरंगे नृत्य का प्रदर्शन करते हैं।

2026 तक माओवाद का उन्मूलन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि सरकार **31 मार्च, 2026** तक **"नक्सलवादियों"** का **पूर्ण रूप से नाश** कर देगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उग्रवाद के कारण **किसी भी नागरिक की मृत्यु न** हो।

मुख्य बिंदु

- **बीजापुर ऑपरेशन:**
  - गृह मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि **सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 31** माओवादियों को मार गिराकर तथा भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद करके महत्त्वपूर्ण सफलता प्राप्त की।
  - छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने कहा कि **देश और राज्य से माओवाद समाप्त हो जाएगा।**
  - इस बात पर भी ज़ोर दिया गया कि माओवादियों द्वारा बिछाए गए **इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) को हटाने तथा बस्तर क्षेत्र में स्कूल, अस्पताल, सड़क, जलापूर्ति, आँगनवाड़ी और मोबाइल टावर सहित आवश्यक बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराने के प्रयास जारी हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **2024 में माओवादी हताहत:**
  - पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, **सुरक्षा बलों ने** छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में 219 माओवादियों को मार गिराया।

माओवाद

- **परिचय:**
  - माओवाद **माओ त्से तुंग द्वारा विकसित साम्यवाद का एक रूप है। यह सशस्त्र विद्रोह, जन-आंदोलन और रणनीतिक गठबंधनों** के संयोजन के माध्यम से राज्य सत्ता पर कब्ज़ा करने का सिद्धांत है।
    - माओ ने इस प्रक्रिया को **'दीर्घकालिक जनयुद्ध' कहा, जिसमें** सत्ता पर कब्ज़ा करने के लिये **'सैन्य लाइन'** पर ज़ोर दिया जाता है।

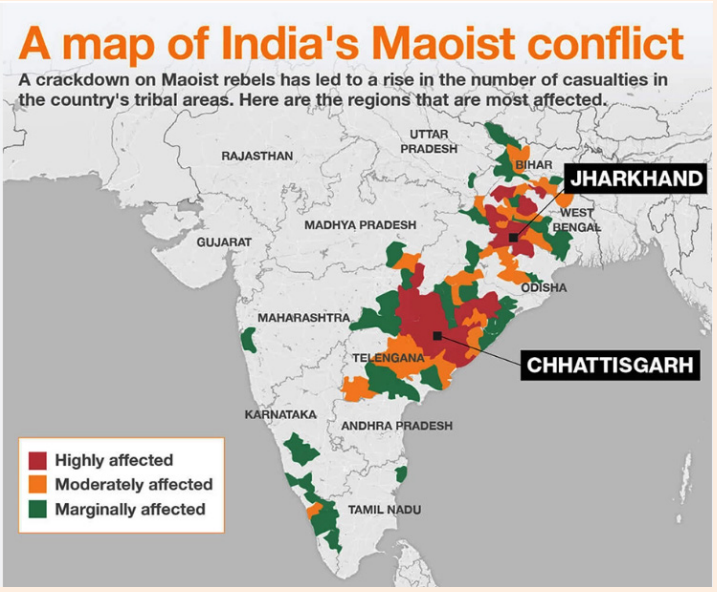

- **माओवादी विचारधारा:**
  - माओवादी विचारधारा का केंद्रीय विषय राज्य सत्ता पर कब्ज़ा करने के साधन के रूप में **हिंसा और सशस्त्र विद्रोह का प्रयोग करना है।**
    - माओवादी उग्रवाद सिद्धांत के अनुसार, **'हथियार रखने पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता'।**
- **भारतीय माओवादी:**
  - भारत में सबसे बड़ा और सबसे हिंसक माओवादी संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) **है जिसका गठन वर्ष 2004 में हुआ था।**
  - CPI **(माओवादी) और उसके अग्रणी संगठनों को** गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया।
  - फ्रंट ऑर्गनाइजेशन मूल माओवादी पार्टी की **शाखाएँ हैं, जो कानूनी उत्तरदायित्व से बचने के लिये अलग अस्तित्व का दावा करती हैं।**

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने अप्राकृतिक यौन संबंध पर रोक लगाई

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय **ने** फैसला सुनाया है कि अगर कोई पुरुष **अपनी पत्नी के साथ यौन संबंध या यौन क्रियाएँ करता है तो उसे बलात्कार नहीं माना जाएगा आर्थात** यदि कोई पति अपनी पत्नी के साथ भारतीय दंड संहिता की **धारा 377** के तहत परिभाषित अप्राकृतिक यौन संबंध बनाता है, तो इसे भी अपराध नहीं माना जा सकता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने **बस्तर ज़िले के एक निवासी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उसने** अपनी पत्नी की वर्ष 2017 में हुई मौत के मामले में अपनी दोषसिद्धि को चुनौती दी थी।
  - सत्र न्यायालय ने **पहले फैसला सुनाया था कि महिला** जबरन शारीरिक संबंध बनाने के **कारण बीमार हो गई और बाद में उसकी मौत हो गई।**
- **ट्रायल कोर्ट का दोषसिद्धि:**
  - सत्र न्यायालय ने अपीलकर्त्ता को निम्नलिखित प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया:
- **धारा 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध)**
- **धारा 376 (बलात्कार)**
  - भारतीय दंड संहिता, 1860 की **धारा 304 (हत्या की कोटि में न आने वाला गैर इरादतन हत्या)।**
- अपीलकर्त्ता को उसकी पत्नी के मृत्यु पूर्व दिये गए बयान के आधार पर 10 वर्ष के कठोर कारावास की सज़ा सुनाई गई।
- **उच्च न्यायालय का निर्णय:**
  - यदि **पत्नी की आयु 15 वर्ष से अधिक है तो पति द्वारा पत्नी के साथ किया गया यौन संबंध या कृत्य बलात्कार नहीं कहा जा सकता।**
  - न्यायालय ने फैसला सुनाया कि इन परिस्थितियों में **अप्राकृतिक यौन संबंध के लिये सहमति का अभाव महत्त्वहीन हो जाता है, जिससे धारा 376 और 377 लागू नहीं होतीं।**
  - उच्च न्यायालय ने मृत्यु पूर्व दिये गए बयान की सत्यता पर भी संदेह व्यक्त किया तथा इसकी विश्वसनीयता पर भी चिंता जताई।

मानव तस्करी से निपटने पर राष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के अध्यक्ष ने '**डिजिटल युग में मानव तस्करी का सामना**' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

- आयोग ने इस कार्यक्रम का आयोजन हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ के सहयोग से किया।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - सम्मेलन में मानव तस्करी में डिजिटल प्रौद्योगिकियों के बढ़ते दोहन की जाँच की गई।
  - चर्चा में तस्करी अपराधों को बढ़ावा देने में इंटरनेट, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और अन्य ऑनलाइन उपकरणों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया।
  - **विशेषज्ञों ने प्रौद्योगिकी, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सामुदायिक भागीदारी से जुड़े निवारक** उपायों पर विचार-विमर्श किया।
- **अध्यक्ष का मुख्य भाषण:**
  - अध्यक्ष ने यौन शोषण, श्रम शोषण, अंग तस्करी और जबरन विवाह सहित डिजिटल तस्करी के विभिन्न रूपों पर प्रकाश डाला।
  - उन्होंने **रिक्रूटमेंट** रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की जैसे:

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- एक्टिव रिक्रूटमेंट (हुक फिशिंग)- पीड़ितों को ऑनलाइन प्रत्यक्ष रूप से निशाना बनाना।
- पैसिव रिक्रूटमेंट (नेट फिशिंग) - संभावित पीड़ितों को आकर्षित करने के लिये डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग करना।

◆ उन्होंने **डिजिटल शोषण** का सामना करने के लिये जन जागरुकता, मज़बूत नियामक ढाँचे और तकनीकी समाधान की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

- **मुख्य सिफारिशें:**
  - ◆ अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम (ITPA) में संशोधन करके बाल एवं वयस्क तस्करी के बीच स्पष्ट अंतर किया जाए तथा साइबर तस्करी को भी इसमें शामिल किया जाए।
  - ◆ डिजिटल तस्करी से संबंधित कानूनी कमियों को दूर करने के लिये ITPA और IT अधिनियम के बीच औपचारिक संबंध स्थापित करना।
  - ◆ बेहतर सार्वजनिक भागीदारी के लिये महिलाओं और बच्चों के केंद्रीकृत शिकायत एवं रोकथाम (CCPWC) जैसे स्व-रिपोर्टिंग पोर्टलों पर सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाएँ।
  - ◆ डिजिटल युग में मानव तस्करी से निपटने के लिये मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (AHTU) के प्रशिक्षण और संसाधनों को बढ़ाना।
  - ◆ नीति निर्माण के लिये विभिन्न श्रेणियों में मानव तस्करी के मामलों को व्यवस्थित रूप से ट्रैक करने के लिये डाटा संग्रह तंत्र में सुधार करना।
  - ◆ स्थानीय समुदायों को **तस्करी अपराधों की रोकथाम और रिपोर्ट करने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिये प्रोत्साहित करने हेतु** सामुदायिक सहभागिता को मज़बूत करना।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)

- **परिचय:**
  - ◆ यह व्यक्तियों के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा से संबंधित अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
  - ◆ भारतीय संविधान और अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदाओं द्वारा गारंटीकृत अधिकार, जिन्हें भारतीय न्यायालयों द्वारा लागू किया जा सकता है।
- **स्थापना:**
  - ◆ 12 अक्टूबर 1993 को मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के तहत स्थापित।
  - ◆ मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2006 और मानव अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा संशोधित।
  - ◆ **मानव अधिकारों को बढ़ावा देने और संरक्षण देने के लिये अपनाए गए पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप इसकी स्थापना की गई है।**

डोकरा कलाकृति

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में, भारतीय प्रधानमंत्री ने फ्राँस के राष्ट्रपति **इमैनुएल मैक्रों को संगीतकारों द्वारा जड़ी-बूटियों से सजी** एक डोकरा कलाकृति उपहार में दी, जिसमें **भारत की समृद्ध जनजातीय कलात्मकता को दर्शाया गया है।**

- उन्होंने **फ्राँस की प्रथम महिला को पुष्प और मोर की आकृति वाला** एक अति सुंदर चाँदी का हाथ से उत्कीर्ण टेबल दर्पण भी भेंट किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **डोकरा के बारे में:**
  - छत्तीसगढ़ की सदियों पुरानी धातु-ढलाई शिल्प कला डोकरा में जटिल पीतल और ताँबे की मूर्तियाँ **बनाने के लिये लुप्त-मोम तकनीक का उपयोग किया जाता है।**
  - **उपहार में दी गई इस कृति में पारंपरिक संगीतकारों को गतिशील मुद्राओं में चित्रित किया गया है, जो आदिवासी जीवन में संगीत के** गहन सांस्कृतिक महत्त्व को उजागर करता है।
  - लापीस लाजुली **और मूंगा की सजावट** कलाकृति के दृश्य आकर्षण को बढ़ाती है तथा भारत की समृद्ध स्वदेशी शिल्पकला को प्रदर्शित करती है।
- **सिल्वर टेबल दर्पण:**
  - **चाँदी के टेबल दर्पण पर** विस्तृत **पुष्प और मोर की नक्काशी है,** जो भारत की उत्कृष्ट धातुकला की विरासत को दर्शाती है।
  - इसका जटिल डिज़ाइन **कलात्मक सुंदरता को सांस्कृतिक प्रतीकवाद के साथ जोड़ता है,** जिससे यह एक बहुमूल्य स्मृतिचिह्न बन जाता है।

डोकरा

- डोकरा **प्राचीन बेल मेटल शिल्प का एक रूप है** जिसका उपयोग झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्यों में रहने वाले ओझा धातु कारीगरों द्वारा किया जाता है।
- हालाँकि, इस कारीगर समुदाय की शैली और कारीगरी अलग-अलग राज्यों में भिन्न होती है।
- ढोकरा या डोकरा को **बेल मेटल शिल्प के नाम से भी जाना जाता है।**
- 'ढोकरा' नाम **ढोकरा दामर जनजाति से आया है,** जो पश्चिम बंगाल के पारंपरिक धातुकार हैं।
  - उनकी लुप्त मोम ढलाई की तकनीक का नाम उनकी जनजाति के नाम पर रखा गया है, इसलिये इसे ढोकरा धातु ढलाई कहा जाता है।
  - डोकरा कलाकृतियाँ **पीतल से बनी हैं और यह इस मायने में अनोखी हैं कि इनके टुकड़ों में कोई जोड़ नहीं है।**
    - इस विधि में **धातुकर्म कौशल को मोम तकनीक के साथ संयोजित किया जाता है,** जिसमें लुप्त मोम तकनीक का उपयोग किया जाता है, जो एक अनूठी कला है, जिसमें साँचे का उपयोग केवल एक बार किया जाता है और उसे तोड़ा जाता है, जिससे यह कला विश्व में अपनी तरह की एकमात्र कला बन जाती है।
  - यह जनजाति **झारखंड से उड़ीसा, छत्तीसगढ़, राजस्थान और केरल तक फैली हुई है।**
- प्रत्येक मूर्ति को बनाने में लगभग एक माह का समय लगता है।
- मोहनजोदड़ो (हड़प्पा सभ्यता) की नर्तकी अब तक ज्ञात सबसे प्राचीन ढोकरा कलाकृतियों में से एक है।
- डोकरा कला का **उपयोग अभी भी कलाकृतियाँ, सहायक उपकरण, बर्तन और आभूषण बनाने के लिये किया जाता है।**

छत्तीसगढ़ में CRPF का नया ऑपरेशन बेस

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) ने छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर क्षेत्र में माओवादी गलियारे में एक नया ऑपरेशन बेस स्थापित किया गया, जिससे राज्य के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में इसकी उपस्थिति प्रबल हुई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (FOB): परिचय**
  - **196वीं और 205वीं** कमांडो बटालियन फॉर रेज़ोल्यूट एक्शन (CoBRA) ने अन्य अर्द्धसैनिक इकाइयों के साथ मिलकर इस बेस की स्थापना में सहायता की।
  - FOB एक सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में है, जहाँ माओवादी प्रशिक्षण शिविर, हथियार, गोला-बारूद के भंडार और राशन इकाइयाँ स्थित हैं।
  - यह दक्षिण और पश्चिम बस्तर संभाग के **माओवादियों के गढ़** में स्थित है।
- **सुरक्षा चुनौतियाँ और प्रतिरोध:**
  - यह क्षेत्र सशस्त्र माओवादी कैडरों की पहली बटालियन के संचालन केंद्र के रूप में कार्य करता है।
  - CRPF ने माओवादियों द्वारा अपने शहीदों की याद में बनाए गए लाल रंग के ऊँचे स्मारक को भारी मिट्टी हटाने वाली मशीन से ध्वस्त कर दिया।
- **सरकारी रणनीति और विस्तार:**
  - यह बेस **नए FOB की श्रृंखला में 13वाँ बेस है, जिसे केंद्र सरकार के मार्च 2026 तक** वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने के लक्ष्य के तहत बनाया जा रहा है।
  - माओवादियों के वार्षिक **सामरिक जवाबी आक्रामक अभियान (TCOC) के शुरू होने से पहले और अधिक FOB बनाने की योजना बनाई गई है।**
    - TCOC **नक्सलियों द्वारा किया जाने वाला ग्रीष्मकालीन आक्रमण** है, जो शुष्क वनों में बेहतर दृश्यता का लाभ उठाकर सुरक्षा बलों पर हमला करता है।
- **छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान:**
  - **पिछले तीन-चार वर्षों** में CRPF ने **छत्तीसगढ़ में 40 से अधिक पैदल पुल स्थापित किये हैं।**
  - सबसे तीव्र नक्सल विरोधी अभियान ओडिशा और तेलंगाना की सीमा से लगे दक्षिणी बस्तर में केंद्रित हैं।

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)

- CRPF की स्थापना 1939 में रियासतों में राजनीतिक उथल-पुथल और अशांति के जवाब में **क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के रूप में की गई थी।**
- 1949 में इस बल का **नाम बदलकर केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल कर दिया गया।**
- **तत्कालीन गृहमंत्री** सरदार वल्लभ भाई पटेल ने CRPF की बहुमुखी भूमिका की कल्पना की थी तथा इसके कार्यों को नव स्वतंत्र राष्ट्र की उभरती जरूरतों के अनुरूप ढाला था।
- **कोबरा (CoBRA):**
  - यह **भारत के केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल की एक विशेष ऑपरेशन इकाई है** जो गुरिल्ला रणनीति और जंगल युद्ध में कुशल है। मूल रूप से **नक्सलवादी आंदोलन का मुकाबला करने के लिये स्थापित किया गया था।**
  - CoBRA को विषम युद्ध में संलग्न विद्रोही समूहों से निपटने के लिये तैनात किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

वामपंथी उग्रवाद

परिचय

- **उत्पत्ति:** वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में विद्रोह
- **उद्देश्य:** क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक बदलाव

विचारधारा

- सशस्त्र क्रांति (हिंसा और गुरिल्ला पद्धति) के माध्यम से केंद्र सरकार का विरोध
- माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना

ज़िम्मेदार कारक

- विकास परियोजनाओं, खनन कार्यों के कारण **जनजातीय आबादी का वृहद् स्तरीय विस्थापन**
- **आदिवासी असंतोष;** वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 जनजातियों को वन संसाधनों की कटाई करने से रोकता है
- **निर्धनता और स्थायी साधनों की कमी;** नक्सली आंदोलन में शामिल होने के लिये प्रेरक कारक
- **प्रभावी शासन का अभाव;** नक्सलवाद के विरुद्ध अपर्याप्त तकनीकी खुफिया जानकारी

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य

- **रेड कॉरिडोर:** गंभीर नक्सलवाद-माओवादी विद्रोह का अनुभव
- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल

वामपंथी उग्रवाद पर अंकुश लगाने हेतु सरकारी पहलें

- वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिये राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015
- SAMADHAN सिद्धांत
  - S- स्मार्ट लीडरशिप
  - A- एग्रेसिव स्ट्रेटेजी
  - M- मोटिवेशन एंड ट्रेनिंग
  - A- एक्शनेबल इंटेलिजेंस
  - D- डैशबोर्ड-बेस्ड KPIs (Key Performance Indicators) और KRAs (Key Result Areas)
  - H- हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी
  - A- एक्शन प्लान फॉर इच थिएटर
  - N- नो एक्सेस टू फाइनेंसिंग
- सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में विशेष केंद्रीय सहायता (SCA)
- ऑपरेशन ग्रीन हंट
- **ग्रेहाउंड** (आंध्र प्रदेश का इलीट कमांडो फॉर्स)
- **बस्तरिया बटालियन** (छत्तीसगढ़ में स्थानीय नियुक्तियाँ जो भाषा और इलाके से परिचित हैं, जिससे खुफिया जानकारी एकत्रित की जा सके और ऑपरेशन किये जा सकें)

नक्सलवाद का सामना- बंदोपाध्याय समिति (वर्ष 2006)

- इसमें जनजातियों के प्रति आर्थिक, सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक भेदभाव एवं शासन की अपर्याप्त नीतियों पर प्रकाश डाला गया
- इसमें आदिवासियों के लिये भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की सिफारिश की गई

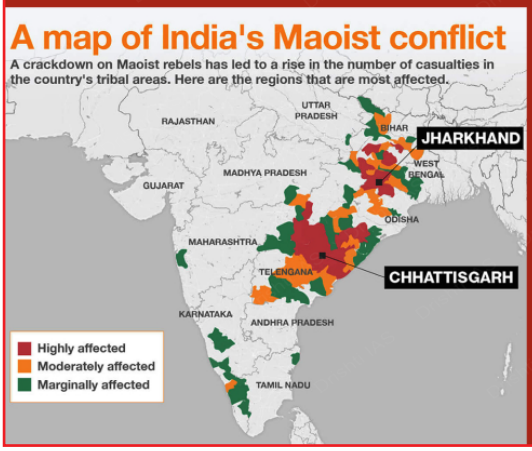

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

श्रीमंत झा ने रजत पदक जीता

चर्चा में क्यों ?

भारत के शीर्ष रैंक वाले पैरा-आर्म पहलवान **श्रीमंत झा ने नॉर्वे** में आयोजित **पैरा-आर्म कुश्ती कप 2025** में **रजत पदक** जीता है।

मुख्य बिंदु:

- उन्होंने **+85 किग्रा वर्ग की प्रतिस्पर्द्धा में पोलैंड के मार्सिन कपलिकी को हराकर** पोडियम पर अपना स्थान सुरक्षित किया। **नॉर्वे के जॉन फ्रेविक ने स्वर्ण** पदक जीता।
- **उपलब्धियाँ और रैंकिंग:**
  - श्रीमंत झा की इस नवीनतम जीत से उनके अंतरराष्ट्रीय पदकों की संख्या **52 हो गई है।**
  - **उन्होंने उज्बेकिस्तान** में वर्ष **2024 में होने वाली एशिया पैरा-आर्म कुश्ती चैंपियनशिप** में **स्वर्ण पदक** और **सितंबर 2023** में कज़ाकिस्तान में **होने वाली पैरा-आर्म कुश्ती विश्व चैंपियनशिप** में **कांस्य पदक** जीता।

पैरा आर्म रेसलिंग:

- **पैरा आर्म रेसलिंग** एक **प्रतिस्पर्द्धी खेल है, जो विशेष रूप से शारीरिक विकलांगता** वाले एथलीटों के लिये विकसित किया गया है।
- **एशिया पैरा-आर्म कुश्ती कप:** यह विभिन्न देशों में आयोजित होने वाला एक ऐसा प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है, जिसमें एशिया भर के शीर्ष पैरा-आर्म पहलवान खिताब और मान्यता के लिये प्रतिस्पर्द्धा करने के लिये एक साथ आते हैं।
- भारत ने वर्ष **2024 में एशिया आर्म रेस्लिंग चैंपियनशिप की मेज़बानी की।**

छत्तीसगढ़ में नया दुकान एवं स्थापना अधिनियम

चर्चा में क्यों ?

राज्य की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने के लिये **छत्तीसगढ़ सरकार ने नई दुकानें एवं स्थापना अधिनियम** लागू किया है, जिससे व्यापारियों को अपनी दुकानें सप्ताह के सातों दिन और 24 घंटे खुली रखने की अनुमति मिल गई है।

मुख्य बिंदु

- **नई नीति का उद्देश्य:**
  - **छत्तीसगढ़ सरकार ने व्यापार को बढ़ावा देने और रोज़गार के अवसर सृजित करने** के लिये नई नीति पेश की।
  - हालांकि, यह **नीति शराब की दुकानों पर लागू नहीं होती है।**
- **व्यापारियों के लिये लचीलापन बढ़ा:**
  - इससे पहले, दुकानों को सप्ताह में एक दिन बंद रखना अनिवार्य था।
  - नई नीति के तहत, व्यापारी अब अनिवार्य साप्ताहिक बंदी के बिना अपनी सुविधानुसार काम कर सकते हैं।
- **श्रमिक कल्याण प्रावधान:**
  - व्यापारियों के लिये लचीलेपन के बावजूद, **प्रत्येक श्रमिक को अनिवार्य रूप से साप्ताहिक अवकाश मिलना चाहिये।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **किसी भी कर्मचारी को प्रतिदिन आठ घंटे से अधिक काम करने** के लिये बाध्य नहीं किया जा सकता।
- श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिये दुकान मालिकों को **श्रम कल्याण योजनाओं का** अनुपालन करना चाहिये।

- **सरलीकृत पंजीकरण प्रक्रिया:**
  - नये नियमों से दुकान पंजीकरण सरल हो गया है।
  - मौजूदा पंजीकृत दुकानों को **बिना किसी अतिरिक्त लागत के छह महीने के भीतर श्रमिक पहचान संख्या (LIN) प्राप्त करनी होगी।**
  - अंतिम तिथि के बाद प्रस्तुत किये गए आवेदनों पर नियमों के अनुसार शुल्क लगेगा।

श्रमिक पहचान संख्या (LIN)

- LIN एक विशिष्ट पहचान संख्या है, जो भारत में विभिन्न श्रम कानूनों के अंतर्गत आने वाले **प्रतिष्ठानों को प्रदान की जाती है।**
- यह **श्रम-संबंधी अनुपालन का केंद्रीकृत रिकॉर्ड रखने और ट्रैकिंग को सक्षम बनाता है।**
- एलआईएन **श्रम सुविधा पोर्टल से जुड़ा हुआ है, जो** श्रम कानून अनुपालन के प्रबंधन के लिये एक एकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है।
  - नियोक्ता रिटर्न दाखिल करने और पंजीकरण को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिये LIN का उपयोग कर सकते हैं।
- **यह EPFO (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन), ESIC (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) और DGMS (खान सुरक्षा महानिदेशालय)** सहित विभिन्न प्रवर्तन निकायों के साथ अनुपालन की सुविधा प्रदान करता है।
  - यह विनियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करता है तथा व्यवसायों के लिये अनुपालन की जटिलता को कम करता है।

नक्सलवाद का अंत

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका ने घोषणा की कि राज्य में **नक्सलवाद समाप्ति के कगार पर है।**

मुख्य बिंदु

- **माओवाद उन्मूलन के लिये सरकार की रणनीति:**
  - **बजट सत्र के पहले दिन** छत्तीसगढ़ **विधानसभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सरकार की रणनीतिक सोच, सुरक्षा बलों की बहादुरी और जनता के सहयोग** के कारण छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद समाप्ति की ओर है।
  - सरकार ने **क्षेत्र पर नियंत्रण के प्रयास तेज़ कर दिये हैं,** जिसके परिणामस्वरूप **पिछले 14 महीनों में 300 से अधिक नक्सलियों का सफाया हो गया है।**
  - इसके अतिरिक्त, **972 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है,** जबकि सुरक्षा बलों ने **1,183 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है।**
- **नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में उपलब्धियाँ:**
  - पहली बार माओवाद प्रभावित 26 गाँवों में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया।
  - सुकमा के पेंटाचिमाली, केरलापेन्डा, दुलेड़, सुन्नम गुडा और पुवर्ती सहित कई गाँवों ने पहली बार **त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में भाग लिया।**
  - दंतेवाड़ा ज़िले के पोटाली गाँव में 19 वर्षों के बाद स्वास्थ्य केंद्र का संचालन फिर से शुरू हुआ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अन्य विकासात्मक उपाय:**
  - राज्यपाल के **59-सूत्रीय संबोधन** में निम्नलिखित प्रमुख पहल शामिल थीं:
    - **गरीबों के लिये आवास योजना** का कार्यान्वयन।
    - **वनोपज संग्रहण कार्यक्रमों** का विस्तार।
    - आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिये **औद्योगीकरण को बढ़ावा देना।**

नक्सलवाद

- **परिचय:**
  - नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति **पश्चिम बंगाल के** नक्सलबाड़ी गाँव **से हुई है।**
  - इसकी **शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई,** जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी।
  - यह **आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत** के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे अल्प विकसित क्षेत्रों में फैल गया।
  - वामपंथी उग्रवादियों **(LWE)** को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है।
- **उद्देश्य:**
  - **वे सशस्त्र क्रांति** के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और **माओवादी सिद्धांतों** पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं।
  - वे राज्य को **दमनकारी, शोषक** और शासक अभिजात वर्ग के हितों की सेवा करने वाला मानते हैं तथा सशस्त्र संघर्ष और जनयुद्ध के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक शिकायतों को दूर करना चाहते हैं।

अंतरिक्ष विकास के लिये छत्तीसगढ़ ने इसरो के साथ समझौता किया

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ **सरकार ने शासन, कृषि,** पर्यावरण प्रबंधन और **आपदा तैयारी** के लिये अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करने हेतु प्रमुख क्षेत्रों में उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी **को** लागू करने के लिये भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन **(इसरो)** के साथ साझेदारी की है।

मुख्य बिंदु

- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री **ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह सहयोग** प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने, **संसाधन प्रबंधन को अनुकूलित करने** और राज्य की प्रगति में तेज़ी लाने के लिये **वैज्ञानिक प्रगति को** बढ़ावा देगा।
- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी **के एकीकरण से** किसानों को सक्षमता मिलेगी, जलवायु अनुकूलन रणनीतियों में सुधार होगा तथा वैज्ञानिक प्रगति और वास्तविक दुनिया में कार्यान्वयन के बीच की खाई को पाटा जा सकेगा।
  - **कृषि:** परिशुद्ध खेती, फसल निगरानी और जलवायु अनुकूल रणनीतियाँ बनाने में सहायक।
  - **मृदा स्वास्थ्य आकलन: सटीक मृदा आँकड़ों** के साथ कृषि उत्पादकता बढ़ाना।
  - **जल संसाधन मानचित्रण:** नदियों और भूजल का **सतत् प्रबंधन** सुनिश्चित करना।
  - **आपदा तैयारी: बाढ़, सूखा** और जलवायु विसंगतियों के लिये पूर्व चेतावनी प्रणाली।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **स्मार्ट गवर्नेंस: कुशल निर्णय लेने** के लिये स्थान-आधारित समाधान का कार्यान्वयन।
- **पर्यावरण संरक्षण:** वनों की कटाई और अवैध भूमि अतिक्रमण को रोकने के लिये वास्तविक समय उपग्रह निगरानी।
- **शहरी नियोजन: स्थानिक विश्लेषण** के माध्यम से स्मार्ट शहर विकास और परिवहन मॉडल का समर्थन करना।
- **वैज्ञानिक सशक्तीकरण: अनुसंधान संस्थानों** और **युवा वैज्ञानिकों को** अंतरिक्ष आधारित अनुप्रयोगों में अवसर प्रदान करना।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO):

- **परिचय**
  - इसरो भारत की अंतरिक्ष एजेंसी है। यह संगठन भारत और मानव जाति के लिये बाहरी अंतरिक्ष के लाभों को प्राप्त करने के लिये **विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में शामिल है।**
  - **इसरो भारत सरकार के** अंतरिक्ष विभाग (DOS) का एक प्रमुख घटक है। यह विभाग मुख्य रूप से इसरो के विभिन्न केंद्रों या इकाइयों के माध्यम से **भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को क्रियान्वित करता है।**
  - इसरो पहले **भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (INCOSPAR) था, जिसकी स्थापना वर्ष 1962** में भारत सरकार द्वारा **डॉ. विक्रम ए. साराभाई** की परिकल्पना के अनुसार की गई थी।
  - इसरो का गठन **15 अगस्त, 1969 को हुआ था** और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिये इसकी भूमिका को विस्तारित करते हुए **INCOSPAR का स्थान लिया गया था।**
  - 1972 में **DOS की** स्थापना की गई तथा **इसरो को DOS** के अधीन लाया गया।
- **उद्देश्य:**
  - **इसरो** का मुख्य उद्देश्य विभिन्न राष्ट्रीय आवश्यकताओं के लिये **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का विकास** और अनुप्रयोग करना है।
  - **इसरो ने संचार, टेलीविज़न प्रसारण** और **मौसम संबंधी सेवाओं, संसाधनों की निगरानी और प्रबंधन, अंतरिक्ष आधारित नेविगेशन सेवाओं** के लिये एक प्रमुख अंतरिक्ष प्रणाली स्थापित की है।
    - इसरो ने उपग्रहों को अंतरिक्ष की कक्षाओं में स्थापित करने के लिये उपग्रह प्रक्षेपण वाहन, **पीएसएलवी और जीएसएलवी विकसित किये हैं।**

छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटनाएँ

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ सरकार के अनुसार, पिछले छह वर्षों में छत्तीसगढ़ में **सड़क दुर्घटनाओं में 79,523 घटनाओं में 33,700 से अधिक लोगों की जान गई तथा 70,255 लोग घायल हुए।**

मुख्य बिंदु

- **सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिये सरकारी योजनाएँ:**
  - **आयुष्मान भारत कार्ड** धारक निर्धारित सीमा के भीतर सरकारी और निजी अस्पतालों में **दुर्घटना से संबंधित चोटों के लिये मुफ्त चिकित्सा जाँच और उपचार का लाभ उठा सकते हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **हिट-एंड-रन मामलों के लिये मुआवज़ा:**
  - **केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने वर्ष 2022 में हिट-एंड-रन पीड़ितों के लिये** एक नई मुआवज़ा योजना शुरू की।
- **इस योजना के अंतर्गत:**
  - गंभीर चोट के लिये मुआवज़ा राशि 12,500 रुपए से बढ़ाकर 50,000 रुपए कर दी गई।
  - मृत्यु पर मुआवज़ा 25,000 रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए किया गया।
- **ब्लैक स्पॉट:**
  - सरकार ने पूछताछ अवधि के दौरान **छत्तीसगढ़ में 848 दुर्घटना-प्रवण "ब्लैक स्पॉट" की पहचान की।**
  - ज़िम्मेदार निर्माण एजेंसियों द्वारा 790 स्थानों पर सुधारात्मक उपाय लागू किये गए हैं।

आयुष्मान भारत

- **2018 में शुरू किया गया आयुष्मान भारत भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC)** के दृष्टिकोण को साकार करने के लिये **राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017** की सिफारिशों के अनुरूप है।
- यह पहल **सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी)** के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य व्यापक **सतत देखभाल दृष्टिकोण के माध्यम से प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्तरों पर स्वास्थ्य सेवा पहुँच में सुधार करना है।**
- आयुष्मान भारत में दो परस्पर संबंधित घटक शामिल हैं:
  - **आयुष्मान आरोग्य मंदिर (पूर्व में स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र या AB-HWCs) और प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY)।**

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :